May 2015 subject reports

Hindi A literature

Overall grade boundaries

Higher level

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 16	17 - 30	31 - 43	44 - 57	58 - 71	72 - 84	85 - 100

Standard level

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 17	18 - 30	31 - 43	44 - 57	58 - 71	72 - 82	83 - 100

Higher level internal assessment

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 5	6 - 10	11 - 13	14 - 17	18 - 21	22 - 25	26 - 30

प्रस्तुत कार्य का विस्तार और उपयुक्तता

इस वर्ष चयनित पद्यांशों/ अवतरणों का चयन पंक्तियों एवं चुनौती की दृष्टि से मौखिक प्रस्तुति का स्तर सर्वथा उचित थी। चयनित पद्यांशों/ अवतरणों के आधार पर पूछे गए प्रश्नों की संख्या दो से अधिक नहीं थी। इस वर्ष विद्यालयों ने श्री अटल बिहारी वाजपेयी, सुमित्रानंदन पंत, गोस्वामी तुलसीदास एवं मैथिली शरण गुप्त आदि कवियों की कविताओं का चयन किया था। परीक्षार्थियों की मौखिक कमेंटरी प्रस्तुति के माध्यम से उनके गहन

अध्ययन, कविता एवं कवि से भलीभाँति परिचय का संकेत मिला। अधिकतर परीक्षार्थियों की प्रस्तुति में कविता के मूल भाव की समझ, पंक्तियों में व्यक्त संवेदनाओं का वर्णन, काव्यगत विशेषताओं पर टिप्पणी की झलक मिलती है। इनकी प्रस्तुति सराहनीय रही है। शिक्षक एवं परीक्षक द्वारा प्रदत अंकों में समानता दिखी।

प्रत्येक मूल्यांकन कसौटी के अनुरूप परीक्षार्थी का प्रदर्शन

मूल्यांकन ए: इस मूल्यांकन बिन्दु में अधिकतर परीक्षार्थियों ने कविता के विषयवस्तु के संदर्भ मे अपने ज्ञान एवं कविता की अच्छी समझ, संदर्भगत व्याख्या व जानकारी प्रस्तुत की।

मूल्यांकन बी: इस मूल्यांकन बिन्दु में कवि के दृष्टिकोण को सहज रूप से आत्मसात कर अधिकतर परीक्षार्थियों नें कवियों द्वारा प्रयुक्त शब्द, उनकी भाषा एवं शैली, कविता की प्रस्तुति एवं प्रभाव पर अपने विचार प्रकट किए। इस मूल्यांकन बिन्दु में भी अधिकतर परीक्षार्थियों की प्रस्तुति 'बहुत अच्छी' से लेकर 'अच्छी' रही। कुछ परीक्षार्थियों को इस मूल्यांकन बिन्दु में अपेक्षित अंक प्राप्त करने में कठिनाई हुई।

मूल्यांकन सी : इस मूल्यांकन बिन्दु के अंतरगर्त अधिकतर परीक्षार्थियों नें उच्च अंक प्राप्त किए। उनकी प्रस्तुति सराहनीय रही। इस मूल्यांकन बिन्दु में संगठन एवं योजनबद्ध प्रस्तुति की झलक दिखाई देती है।

मूल्यांकन डी : इस मूल्यांकन बिन्दु के दौरान चर्चा में परीक्षार्थियों नें संबन्धित विषय की अच्छी जानकारी एवं समझ को प्रकट किया। इस क्रम में पी. एल. ए. हिन्दी के चयनित लेखकों की रचनाओं के आधार पर प्रस्तुति दी।

मूल्यांकन ई : इस मूल्यांकन बिन्दु के दौरान परीक्षार्थियों नें पूछे गए प्रश्नों का आत्मविश्वास के साथ दिया। मौलिकता, निजता एवं आत्मविश्वास की झलक इस मानदंड में प्रभावी रहे।

मूल्यांकन एफ : भाषा परीक्षार्थियों नें सटीक शब्द चयन, प्रवाह के माध्यम से भाषा पर अपनी अच्छी पकड़ का परिचय दिया। अधिकांश परीक्षार्थियों की भाषा उत्तम और प्रभावी थी।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

जैसा कि मैंने पिछली परीक्षाओं के दौरान भी इस भात पर ज़ोर दिया है कि शिक्षक एवं विद्यार्थी मूल्याकन बिन्दुओं से पूर्णतया परिचित हों। रचनाकारों की रचनाओं से परिचित हों। रिकॉर्डिंग का अभ्यास कराया जाए, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़े। अध्यापक यह सुनिश्चित करें कि परीक्षार्थियों की भाषा शुद्ध, सटीक एवं विषयानुकूल हो। पदयांश का ज्ञान के साथ साथ पदयांश की संदर्भगत व्याख्या भी अति महत्त्वपूर्ण है। परीक्षार्थी कवि की रचनाओं के साथ साथ कवि की शैली से भी परिचित हों। योजनबद्ध तरीके से अभ्यास करते हुए सुगठित धाराप्रवाह, तार्किक, स्पष्ट कमेंटरी विकसित करने हुए अभ्यास कराएं जाएँ। परीक्षार्थियों को अपने मत प्रकट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। प्रस्तुतीकरण में समय एवं स्वानुभूति का ध्यान रखा जाए।

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

Standard level internal assessment

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 4	5 - 8	9 - 12	13 - 16	17 - 19	20 - 23	24 - 30

प्रस्तुत कार्य का विस्तार और उपयुक्तता

इस वर्ष विद्यालयों द्वारा चयनित गद्यान्शों में गद्य लेखकों मोहन राकेश, कमलेश्वर, जैनेन्द्र कुमार, मन्नू भण्डारी, प्रेमचंद, प्रसाद का चयन किया वहीं पद्यांशों/ अवतरणों में अटल बिहारी वाजपेयी की कविताओं का चयन किया गया। था। अधिकांश मौखिक प्रस्तुति के लिए चयनित अवतरण परीक्षार्थियों के लिए कठिन होने के साथ रुचिकर भी थे। सही प्रश्नों का चयन भी परीक्षार्थियों को कविता में व्यक्त संवेदनाओं का वर्णन, काव्यगत विशेषताओं पर टिप्पणी करने में सहायक रहा। इनकी गहरी जानकारी, सही व्याख्या, कवि की शैली पर विचार और सटीक शब्दावली का परिचायक है। शिक्षक एवं परीक्षक द्वारा प्रदत अंकों में समानता दिखी।

प्रत्येक मूल्यांकन कसौटी के अनुरूप परीक्षार्थी का प्रदर्शन

सभी मूल्यांकन बिन्दु के आधार पर परीक्षार्थियों की मौखिक प्रस्तुति अच्छी रही है।

मूल्यांकन ए: इस मूल्यांकन बिन्दु में अधिकतर परीक्षार्थियों ने **चयनित** विषयवस्तु के संदर्भ मे अपनी जानकारी एवं समझ के आधार पर अच्छी व्याख्या प्रस्तुत की है। **चयनित** विषयवस्तु पी. एल. ए. हिन्दी के चयनित लेखकों की रचनाओं पर आधारित थी।

मूल्यांकन बी: इस मूल्यांकन बिन्दु में रचनाकारों की विचारधारा / दृष्टिकोण को सहज रूप से परीक्षार्थियों नें उनके द्वारा प्रयुक्त शब्द, उनकी भाषा एवं शैली, प्रस्तुति एवं प्रभाव पर अपने विचार प्रकट किए। इस मूल्यांकन बिन्दु में भी अधिकतर परीक्षार्थियों की प्रस्तुति 'बहुत अच्छी' से लेकर 'अच्छी' रही।

मूल्यांकन सी : इस मूल्यांकन बिन्दु मौखिक प्रस्तुति की सरचना गठन एवं प्रस्तुति सराहनीय रही। इस मूल्यांकन बिन्दु में संगठन एवं योजनबद्ध प्रस्तुति की झलक दिखाई देती है।

मूल्यांकन डी : इस मूल्यांकन बिन्दु के परीक्षार्थियों की भाषा, शब्द चयन एवं उच्चारण, स्पष्टता पर बल दिया गया है। भाषा एवं व्याकरण की दृष्टि से भी परीक्षार्थियों की मौखिक प्रस्तुति सही थी।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

परीक्षार्थियों को पाठ्यक्रम एवं रचनाकारों की अच्छी जानकारी देनी होगी। रचनाकारो के गलत चयन से मूल्यांकन बिन्दु ए में परीक्षार्थियों को दस में मात्र छह अंक दिये जाएँगे। मौखिक प्रस्तुति की तैयारी एवं अधिकाधिक अभ्यास कराया जाए, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़े, किन्तु रटने की प्रक्रिया से बचना चाहिए। सटीक शब्द

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

चयन, प्रयुक्त भाषा उपयुक्त हो, रचनाकारों की रचनाओं / पद्यांशों/ अवतरणों का गहन एवं सूक्ष्म अध्ययन के आधार पर मौखिक प्रस्तुति में व्याख्या एवं विश्लेषण हो। परीक्षार्थियों को आई. बी. सबजेक्ट गाइड लैंगवेज ए; लिटरेचर एवं हिन्दी रचनाकारों की सूची पी. एल. ए. एवं मूल्यांकन बिन्दुओं की समुचित जानकारी दी जानी चाहिए। परीक्षार्थियों की हिचक दूर करने हेतु इन्हें अधिकाधिक अभ्यास कराया जाए, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़े। विद्यालयों के हिन्दी अध्यापकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि व्याख्या पूरी तरह पठन गतिविधि न हो, पढ़ी न जाए। परीक्षार्थी रचनाकारों द्वारा प्रयुक्त शैली एवं उनके दृष्टिकोण से भी परिचित हों।

Higher level written assignment

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 6	7 - 9	10 - 12	13 - 15	16 - 18	19 - 20	21 - 25

प्रस्तुत कार्य का विस्तार और उपयुक्तता

इस वर्ष परीक्षार्थियों ने 'जूलियस सीज़र' नाटक में परिस्थितियों को अनुकूल अथवा विपरीत करने में वाक्पटुता की महत्त्वपूर्ण भूमिका, 'चेरी का बगीचा' नाटक में नवीनता, 'जूलियस सीज़र' में वर्णित राजनैतिक व सामाजिक परिस्थितियों पर शासन व्यवस्था के प्रभाव की विवेचना , 'चेरी का बगीचा' नाटक में राजनैतिक व सामाजिक पृष्ठभूमि का विवेचन,.'हेड्डा गेबलर के जीवन में विवाह का महत्त्व, 'तीन बहने' नाटक में वर्णित संस्कृति का विश्लेषण, 'हिम्मतमाई और उसके बच्चे' नाटक में सामाजिक परिस्थितियों का विवेचन, पारिवारिक और सामाजिक परिवेश में तीन लेखकों का मूल्यांकन, मानव जीवन में नैतिक मूल्यों की प्रस्तुति, आन्ना कारेनिना में नारी पात्रों की भूमिका इत्यादि शीर्षकों के अंतर्गत सारगर्भित लेख प्रस्तुत किया जिनमे उनके व्यक्तिगत मत एवं विचारों का क्रमबद्ध विकास स्पस्टतया दिखता है। सामान्य, अधिकांश लिखित कार्य में परीक्षार्थियों की प्रस्तुति पढ़ी गई पुस्तकों की अच्छी जानकारी, शैली एवं संरचना की अच्छी जानकारी का द्योतक है।

प्रत्येक मूल्यांकन कसौटी के अनुरूप परीक्षार्थी का प्रदर्शन

सभी मूल्यांकन बिन्दु के आधार पर परीक्षार्थियों की मौखिक प्रस्तुति मिली जुली रही है, कुछ विद्यार्थियो ने अच्छे लेख प्रस्तुत किए वहीं कुछ ने उत्कृष्ट भी। ।

मूल्यांकन ए: इस मूल्यांकन बिन्दु में चिंतनशील कथन अथवा लेख के औचित्य हेतु 300-400 शब्दों की शब्द सीमा निर्धारित है। अधिकतर परीक्षार्थियों ने इस मूल्यांकन बिन्दु का पालन किया। इन लेखों मे उनकी सांस्कृतिक समझ के विकास का परिचय एवं सही संदर्भ दिखते है। अधिकतर

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

मूल्यांकन बी: इस मूल्यांकन बिन्दु में परीक्षार्थियों ने लेख के लिए पढ़ी गई पुस्तकों की अच्छी जानकारी एवं अपनी समझ को प्रस्तुत किया है। साथ ही साथ परीक्षार्थियों ने लेख के लिए चयनित शीर्षक एवं पुस्तक से तादात्म्य स्थापित करने मे सफलता प्राप्त की है। निस्संदेह चुने गए शीर्षक एवं उसके आधार पर प्रस्तुत लिखित कार्य अच्छा रहा है।

मूल्यांकन सी : इस मूल्यांकन बिन्दु के अंतरगर्त अधिकतर परीक्षार्थियों नें लेखक की भाषा, शैली, रचना एवं दृष्टिकोण किस प्रकार उनके अर्थ प्रकट करने में सहायक है, पर अच्छी खोजबीन की है।

मूल्यांकन डी : इस मूल्यांकन बिन्दु में परीक्षार्थियों नें सही प्रारूप का उपयोग किया एवं लेख की रचना, संगठन एवं विकास की दृष्टि से औपचारिकताओं का पालन किया गया है। अधिकांश लेखों में विचारो का विकास एवं विश्लेषण परिलक्षित होता है। शब्द सीमा का पालन किया गया। जिन परीक्षार्थियों नें शब्द सीमा (1200 से 1500 शब्द) का पालन नहीं किया 3 अंक से अधिक नहीं दिये गए।

मूल्यांकन ई : लेख के लिए परीक्षार्थियों द्वारा प्रयुक्त भाषा स्पष्ट, सही शब्दावली एवं सही वाक्य संरचना एवं प्रभावोत्पादक लेख प्रस्तुत किए गए। अधिकतम अंक प्राप्त करने के व्याकरणिक दोषों से बचना होगा।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

सर्वप्रथम सही चिंतनशील कथन/ वक्तव्य प्रस्तुत करने के लिए चयनित पुस्तकों का संदर्भ एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझने की नितांत आवश्यकता है। चिंतनशील बयान की प्रस्तुति में परीक्षार्थियों को परीक्षा एवं मूल्यांकन बिन्दुओं की आवश्यकता को समझने की आवश्यकता है। हिन्दी अध्यापक के द्वारा लेख का अच्छा परिचय एवं अच्छा चिंतनशील कथन लिखने हेतु परीक्षार्थियों को मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए। परीक्षार्थियों को स्वमत प्रकट करने हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिए जिससे सृजनात्मक लेख लिखे जाए और परीक्षार्थियों अपने मौलिक विचारों को प्रस्तुत कर सकें। परीक्षार्थियों को साहित्यिक, रचना एवं शैलीगत विशेषताओं से परिचित कराया जाए। लेख को समृद्ध एवं तार्किक बनाने में उद्धरणों, वक्तव्यों, सूक्तियों का उपयोग किस प्रकार किया जाये, इसे बताया जाना चाहिए एवं अभ्यास कराया जाए जिसे उनकी व्याख्या सुस्पष्ट हो। हिन्दी अध्यापकों के द्वारा परीक्षार्थियों को मूल्यांकन मानदंडों को समझने में मदद करनी चाहिए।

Standard level written assignment

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 6	7 - 9	10 - 12	13 - 15	16 - 18	19 - 20	21 - 25

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

प्रस्तुत कार्य का विस्तार और उपयुक्तता

इस वर्ष परीक्षार्थियों ने 'द आउटसाइडर में महिलाओं की भूमिका, डौल्स हाउस की विषय वस्तु और वर्तमान संदर्भ में औचित्य, पारिवारिक संगठन; स्त्री व पुरुष सदस्य(चेरी का बगीचा एवं गुड़िया घर), रोमियो और जूलिएट -प्यार से त्रासदी तक, एडवेंचर ऑफ हक्क्लबेरी फिन में सामाजिक व परंपरागत मूल्य, स्ट्रेनजर अजनबी में अर्थहीनता, ग्रेट एक्सपेक्टेसन में पिप का व्यक्तित्व परिवर्तन, जेसन का ग्लासी से विवाह का निर्णय, तीन बहने नाटक के आधार पर रूसी समाज में व्याप्त प्रेम के विभिन्न स्वरूपों का विश्लेषण, हेमलेट के जीवन में व्याप्त अकेलेपन की विवेचना, हेड्डा का चरित्र चित्रण इत्यादि शीर्षकों के अंतर्गत सारगर्भित लेख प्रस्तुत किया जिनमे उनके व्यक्तिगत मत एवं विचारों का क्रमबद्ध विकास स्पस्टतया दिखता है। परीक्षार्थी विषय से परिचित थे एवं चयनित पहलुओं स्पष्ट एवं विश्लेषित किया। समग्रता में अधिकतर परीक्षार्थियों ने अच्छे अंक प्राप्त किए। चिंतनशील वक्तव्य एवं लेख का गठन एवं विकास सही था साथ ही साथ एक नवीन एवं अपरिचित समाज व संस्कृति से परिचय के प्रमाण भी मिलते है।

प्रत्येक मूल्यांकन कसौटी के अनुरूप परीक्षार्थी का प्रदर्शन

सभी मूल्यांकन बिन्दु के आधार पर परीक्षार्थियों की मौखिक प्रस्तुति मिली जुली रही है, कुछ विद्यार्थियो ने अच्छे लेख प्रस्तुत किए वहीं कुछ ने उत्कृष्ट भी। ।

मूल्यांकन ए: अधिकतर परीक्षार्थियों ने इस मूल्यांकन बिन्दु का पालन किया। इन लेखों मे उनकी दूसरी अनजान एवं अलग अलग संस्कृति की समझ का परिचय एवं सही संदर्भ दिखता है।

मूल्यांकन बी: इस मूल्यांकन बिन्दु में परीक्षार्थियों ने लेख के लिए पढ़ी गई पुस्तकों की अच्छी जानकारी एवं अपनी समझ को प्रस्तुत किया है। कुछ परीक्षार्थियों ने अच्छे लेख प्रस्तुत किए वहीं कुछ ने उत्कृष्ट एवं गहन एवं सूक्ष्म अध्ययन का परिचय दिया है।

मूल्यांकन सी : इस मूल्यांकन बिन्दु के अंतरगर्त अधिकतर परीक्षार्थियों नें लेखक की भाषा, शैली, रचना एवं दृष्टिकोण किस प्रकार उनके अर्थ प्रकट करने की साधारण कोशिश की है वही कुछ ने अच्छी खोजबीन की है।

मूल्यांकन डी : इस मूल्यांकन बिन्दु में परीक्षार्थियों नें सही प्रारूप का उपयोग किया एवं लेख की रचना, संगठन एवं विकास की दृष्टि से औपचारिकताओं का पालन किया गया है। अधिकांश लेखों में विचारो का सही आयोजन परिलक्षित होता है। शब्द सीमा का पालन किया गया।

मूल्यांकन ई : स्पष्ट भाषा और सटीक शब्दावली का प्रयोग दिखता है । कुछ परीक्षार्थियों की व्याकरणिक और भाषाई अशुद्धियों को बेहतर प्रूफ रीड ठीक से पढ़ कर संशोधित करने की आवश्यकता है।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

भावी परीक्षार्थियों के लिए स्पष्ट रूप से चिंतनशील बयान और शीर्षक के अनुसार लिखित कार्य का उचित निर्देश पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। लेख रचना कौशल का विकास भी शिक्षण प्रक्रिया में नियमित रूप से बताया जाए। स्वतंत्र, तार्किक एवं सुसंगत दृष्टिकोण विकसित करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करें।भाषा

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

व्याकरण एवं प्रूफ संशोधन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। छात्रों को हिन्दी व विश्व साहित्य पी. एल. टी.साहित्यिक समझ एवं दृष्टिकोण विकसित करने मे भी हिन्दी साहित्य के अध्यापक सहायता करें।

Higher level paper one

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 2	3 - 5	6 - 8	9 - 11	12 - 14	15 - 17	18 - 20

परीक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम और परीक्षा के कठिन प्रतीत होने वाले संभाग

हिन्दी हाइयर लेबल प्रथम पत्र के कुल 10 परीक्षार्थियों में से अधिकांश ने गदयांश पर अपनी साहित्यिक व्याख्या लिखी है। अधिकांश व्याख्या में परीक्षार्थियों ने गद्य के मूल भाव को ग्रहण कर अपनी व्याख्या प्रस्तुत की है। अपने प्रश्न के उत्तर और व्याख्या में कुछ परीक्षार्थियों ने अपनी पढ़ी हुई पुस्तकों के चरित्रों के माध्यम से अपना पक्ष प्रस्तुत किया। उन्हें गद्यांश अथवा पदयांश के मूल भाव व संदेश को ग्रहण करने में कोई कठिनाई नहीं हुई। ऐसा प्रतीत होता है कि परीक्षार्थियों को गद्य कि अपेक्षा पद्य कठिन लगा। गद्य की व्याख्या एवं विश्लेषण में विचारों के समर्थन में अपना पक्ष रखने के लिए जिन संदर्भों का उल्लेख किया गया वे अधिकतर सटीक नहीं थे। सबसे बड़ी कठिनाई लेखन की थी। सामान्यतः भाषा, व्याकरण एवं विराम चिह्नों की अशुद्धियाँ दिखी। गद्य की भाषा, संरचना, साहित्यिक एवं शैलीगत विशेषताओं के प्रकटीकरण में परीक्षार्थियों ने कठिनाई महसूस की।

पाठ्यक्रम और परीक्षा के वे संभाग जिनके लिए परीक्षार्थी पूर्णतः तैयार लगे

अधिकांश परीक्षार्थियों को गद्यांश को अपनी व्याख्या के लिए चुना। अधिकांश ने गद्यांश की अच्छी व्याख्या की। गद्य के मूल भाव पर अपने विचार प्रस्तुत किए। विभिन्न पत्रों एवं उनके मनोभाव पर विचार प्रकट करते हुए अपनी पढ़ी हुई रचनाओं का संदर्भ देने की कोशिश की। परीक्षार्थियों ने गद्य की व्याख्या मे अपनी व्यक्तिगत प्रतिक्रियाएँ एवं मूल संदेश पर अपनी टिपन्नी प्रस्तुत की। कुछ परीक्षार्थियों ने गद्यांश के संदर्भ में आलोचनात्मक व्याख्या भी प्रस्तुत की।

प्रश्न विशेष का विवेचन करते समय परीक्षार्थियों की खूबियाँ और कमियाँ

जिन परीक्षार्थियों ने ‘;ताई के राम’ शीर्षक का चयन किया था, उनमे से अधिकांश को गद्य के मूल भाव पर अपनी व्यक्तिगत प्रतिक्रिया देने में कोई कठिनाई नहीं हुई। भाषा, व्याकरण एवं विराम चिह्नों में सामान्य अशुद्धियों के अतिरिक्त गद्य की भाषा, संरचना, साहित्यिक एवं शैलीगत विशेषताओं के प्रकटीकरण में भी अधिकांश परीक्षार्थियों की मुख्य कमजोरी रही, कुछ की अच्छी रही तो अधिकांश का स्तर सामान्य था।

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

भावी परीक्षार्थियों को अधिक साहित्यिक कमेंट्री और व्याख्या विश्लेषण लेखन का अभ्यास और उचित तरीके और तकनीक सीखने की जरूरत है। विचारों का संगठन एवं प्रभावी प्रस्तुतीकरण के अभ्यास और प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उनकी व्याख्या सुपाठ्य बनाने के लिए लेखन अभ्यास करना चाहिए और व्याख्या में व्यक्तिगत प्रतिक्रियाएँ शामिल करनी होगी। । परीक्षार्थियों को मौलिकता के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। एक अच्छी व्याख्या में संरचना, तकनीक और साहित्यिक शैली को समावेशित किया जाए जिससे इनका अर्थ स्पष्ट हो - कैसे इन एक पाठ में अर्थ आकार करने के लिए उपयोग किया जाता है के एक लेखक की पसंद का विश्लेषण करने के लिए दी जानी चाहिए। विद्यालय केवल गद्य ही नहीं वरन कविता की साहित्यिक व्याख्या एवं काव्यगत विशेषताओं एवं रस, छंद एवं अलंकारो से परिचित कराएं।

Standard level paper one

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 2	3 - 5	6 - 8	9 - 11	12 - 14	15 - 17	18 - 20

परीक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम और परीक्षा के कठिन प्रतीत होने वाले संभाग

स्टैंडर्ड स्तर के परीक्षार्थियों मे गद्य (कहानी पोस्टमैन) और पद्य (कविता लड़की और सड़क) समान रूप से लोकप्रिय प्रतीत हैं। लगभग आधे परीक्षार्थियों ने कहानी के मर्म पर अपनी साहित्यिक व्याख्या प्रस्तुत की है वहीं आधे ने कविता के भाव और शिल्प पर साहित्यिक व्याख्या प्रस्तुत की है। कुछ परीक्षार्थियों ने सभी मूल्यांकन बिन्दुओं में अच्छे अंक प्राप्त किए किए हैं। कुछ परीक्षार्थियों ने सतही तौर पर उत्तर देने का प्रयास किया है, कविता की साहित्यिक व्याख्या में कठिनाई हुई है।

पाठ्यक्रम और परीक्षा के वे संभाग जिनके लिए परीक्षार्थी पूर्णतः तैयार लगे

परीक्षार्थियों ने पदयांश पर अच्छी व्याख्या प्रस्तुत की है। उनकी व्याख्या न केवल कविता के भाव को समेटे है वरन कवि द्वारा प्रयुक्त बिम्ब, प्रतीक एवं अन्य साहित्यिक विशेषताओं की चर्चा की है। परीक्षार्थियों ने गद्य/ पद्य आधारित सहायक प्रश्नो का उपयोग कर सटीक व्याख्या प्रस्तुत की है।

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

प्रश्न विशेष का विवेचन करते समय परीक्षार्थियों की खूबियाँ और कमियाँ

परीक्षार्थियों को मूल्यांकन ए, बी, सी, डी मापदंड के अंतर से अवगत होना होगा। परीक्षार्थियों ने कविता की अच्छी व्याख्या प्रस्तुत की है। इसके अतिरिक्त कुछ विद्यार्थियों ने कहानी की व्याख्या सतही तौर पर की। कहानी को दुहराने की प्रवृति से

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

परीक्षार्थियों को साहित्यिक व्याख्या लिखने हेतु अभ्यास करना चाहिए। सहायक प्रश्नों के उपयोग एवं व्यक्तिगत व्याख्याओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। परीक्षार्थियों को विशेष रूप से भाषा, संरचना, शैली और तकनीक पर ध्यान केंद्रित कर गद्य और कविताओं दोनों पर साहित्यिक टिप्पणियां लिखने का पर्याप्त अभ्यास करना चाहिए।

Higher level paper two

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 3	4 - 6	7 - 10	11 - 14	15 - 18	19 - 22	23 - 25

परीक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम और परीक्षा के कठिन प्रतीत होने वाले संभाग

परीक्षार्थियों को भाग 3 के अंतर्गत पढ़ी रचनाओं में से कम से कम दो रचनाओं के संदर्भगत और तुलनात्मक आधार पर प्रश्नो के उत्तर लिखना अपेक्षित है। अधिकांश परीक्षार्थियों ने भाग 3 की रचनाओं का उल्लेख तो किया किन्तु पूछे गए प्रश्न और उत्तर में सामंजस्य नहीं दिखा। इसकी अतिरिक्त भाषा, व्याकरण और विराम चिह्नों में भी कमजोरी दिखाई देती है। साहित्यिक व्याख्या लिखने मे अधिकतर परीक्षार्थियों को कठिनाई हुए। कुछ परीक्षार्थियों ने अच्छी साहित्यिक व्याख्या प्रस्तुत की।

पाठ्यक्रम और परीक्षा के वे संभाग जिनके लिए परीक्षार्थी पूर्णतः तैयार लगे

अधिकांश परीक्षार्थियों ने अपने प्रश्न के उत्तर के उपन्यास खंड का चयन किया। अपने प्रश्नों के उत्तर में अधिकांश परीक्षार्थियों ने भाग 3 में पढ़ी रचनाओं का संदर्भ दिया। इससे भाग 3 में पढ़ी रचनाओं की अच्छी जानकारी देखने को मिली। एक परीक्षार्थियों ने कहानी खंड से प्रश्न 9 का उत्तर दिया। बाकी सभी परीक्षार्थियों ने उपन्यास खंड से प्रश्न 4 का उत्तर लिखा है। हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों के बीच उपन्यास लोकप्रिय विधा है। कुछेक ने अच्छी साहित्यिक व्याख्या भी प्रस्तुत की है।

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

प्रश्न विशेष का विवेचन करते समय परीक्षार्थियों की खूबियाँ और कमियाँ

उपन्यास खंड का प्रश्न 4 इस बार परीक्षार्थियों को सबसे ज्यादा पसंद आया।। हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों के बीच उपन्यास लोकप्रिय विधा है। इस प्रश्न के उत्तर देने मे अधिकांश परीक्षार्थियों ने पूछे गए प्रश्न का उत्तर न देकर भाग 3 के अंतर्गत पढ़ी गई पुस्तकों की अच्छी जानकारी दी है। एक अन्य परीक्षार्थी ने कहानी खंड से प्रश्न 9 का उत्तर दिया है। कुछ परीक्षार्थियों ने संभावित प्रश्नो की तैयारी के आधार पर उत्तर लिखा है। कुछेक ने प्रश्न 4 की अच्छी व्याख्या की है।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियो से यह अपेक्षित है कि वे मूल्यांकन मानदंडों से अवगत हो तथा भिन्न भिन्न मूल्यांकन बिन्दुओं से अवगत हों तथा वे उनमे अंतर समझ सके। भाग 3 की पुस्तकों की जानकारी व समझ के साथ साथ पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देना जान पाएँ। साहित्यिक व्याख्या लेखन एवं अतिरिक्त लेखन का अभ्यास कराया जाए। भाषा, व्याकरण और विराम चिह्नों की अशुद्धियों से भी बचाया जाए।

Standard level paper two

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 5	6 - 8	9 - 11	12 - 15	16 - 20	21 - 22	23 - 25

परीक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम और परीक्षा के कठिन प्रतीत होने वाले संभाग

अधिकांश परीक्षार्थियों ने हिन्दी साहित्य स्टैंडर्ड लेबल भाग दो के अंतर्गत उपन्यास विधा के प्रश्न 4 को चुना है. (अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो उपन्यासों के आधार पर बताइये कि उपन्यासकारों ने किस प्रकार सामाजिक रूढ़ियों एवं रीतियों का उपयोग उपन्यास की कथा को सफल बनाने के लिए किया है?) कुछ अन्य परीक्षार्थियों ने प्रश्न संख्या 8, 9,(कहानी) और 11 (नाटक/एकाँकी) का चयन किया है। अधिकांश परीक्षार्थियों ने पूछे गए प्रश्न का उत्तर न देकर भाग 3 के अंतर्गत पढ़ी गई पुस्तकों का वर्णन किया है । है।

पाठ्यक्रम और परीक्षा के वे संभाग जिनके लिए परीक्षार्थी पूर्णतः तैयार लगे

कुछ परीक्षार्थियों ने कुछ अच्छी साहित्यिक व्याख्या प्रस्तुत की। हिन्दी साहित्य की गद्य विधा उपन्यास और कहानी के अंतर्गत पूछे गए प्रश्नों की अच्छी व्याख्या प्रस्तुत की।

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

प्रश्न विशेष का विवेचन करते समय परीक्षार्थियों की खूबियाँ और कमियाँ

परीक्षार्थी भाग 3 में पढ़ी गयी पुस्तकों से परिचित है। कुछ परीक्षार्थी ने अपनी पढ़ी गई रचनाओं का संदर्भ सहित तुलनात्मक साहित्यिक व्याख्या की है। यह अपेक्षित है कि परीक्षार्थी प्रश्न को समझे एवं संदर्भ के साथ अपनी प्रतिक्रिया स्वमत दें। व्याख्या की रचना, क्रमबद्धता एवं भाषा प्रयोग में कठिनाई देखी गयी है।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियो से यह अपेक्षित है कि वे मूल्यांकन मानदंडों से अवगत हो तथा भिन्न भिन्न मूल्यांकन बिन्दुओं से अवगत हों तथा वे उनमे अंतर समझ सके। भाग 3 की पुस्तकों की जानकारी व समझ के साथ साथ पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देना जान पाएँ। साहित्यिक व्याख्या लेखन एवं अतिरिक्त लेखन का अभ्यास कराया जाए। भाषा, व्याकरण और विराम चिह्नों की अशुद्धियों से भी बचाया जाए।